चित्रःगूगल से साभार

छोटी चिड़िया

छोटी चिड़िया छोटी चिड़िया, रोज द्वार पर आती.
मीठी मीठी रोज सुबह वह, आकर गीत सुनाती.

रानी बिटिया सोती है बस,उसको सुबह जगाती.
जागो रानी सुबह हो गयी, निंदिया बहुत सताती.

आज तुम्हें स्कूल है जाना, उठो और मुँह धो लो.
सूरज भइया निकल गए हैं,आँख अभी तुम खोलो.

पशु पक्षी सभी गाना गाते,प्रातः काल उठ जाते.
बैठ पेड़ पर चिल्लाते हैं ,आम कलेवा खाते.

जाग गयी है रानी बिटिया, गुलशन खूब हँसा है.
भोर हुई किलकारी गूंजी, घर में प्यार बसा है.

छोटी चिड़िया देख रही थी, मन ही मन मुस्काये.
उसका आना सफल हुआ है , मन ही मन हर्षाये.

घर से उड़ गइ छोटी चिड़िया, रानी को जगाकर.
और किसी को चली जगाने,मम्मी को बतलाकर.

सुरेंद्र राही
(सहायक अध्यापक गोण्डा उप्र)
ग्राम -चाण्डीपुर खुर्द